जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय में हिन्दी का प्रयोग

3429. **श्री जगदम्बी प्रसाद यादव :** क्या मानव संसाधन विकास मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय की प्रवेश परीक्षा और प्रदान की जाने वाली डिग्रियां केवल अंग्रेजी में ही होने के क्या कारण हैं;

(ख) क्या वहां न्यूनतम हिन्दी पद सृजित किये और भरे जा चुके है ; और

(ग) इस तथ्य को ध्यान में रखते हुए कि जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय में हिन्दी एकक है, क्या वहां (i) धारा 3(3) कार्यान्वित की जा रही है, (ii) राजभाषा कार्यान्वयन समिति गठित की जा चुकी है, (iii) कुछ योजनाओं में राजभाषा लागू की जाती है और (iv) जे०एन०यू० न्यूज द्विभाषी रूप में प्रकाशित की जा रही है ?

मानव संसाधन विकास मंत्रालय में शिक्षा और संस्कृति विभागों में राज्य मंत्री (श्रीमती कृष्णा साही) : (क) जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय द्वारा दी गई सूचना के अनुसार यह विश्वविद्यालय अपने घोषणा पत्र के अनुसार समूचे राष्ट्र के छात्रों को अपने शैक्षिक तथा अनुसंधान कार्यक्रमों में शामिल होने के लिये शाखिला देता है, जो शिक्षा के विभिन्न माध्यमों और विभिन्न शैक्षिक और सांस्कृतिक पृष्ठभूमि का प्रतिनिधित्व करते हैं।

इसी प्रकार, इसके संकाय को देश के सभी भागों से अधिक शासकीय आधार पर लिया जाता है. परिणाम-स्वरूप, छात्रों और संकाय का प्रतिनिधित्व करने वाला शैक्षिक समुदाय स्नातकोत्तर/अनुसंधान स्तर के कार्यक्रमों के लिये शिक्षा के एक माध्यम के रूप में अंग्रेजी को अपेक्षाकृत अधिक स्वीकार्य तथा सुविधाजनक पाता है। तथापि, जो छात्र एम०फिल/पी०एच डी० डिग्रियों की प्राप्ति के लिये प्रबन्धों/शोध प्रबन्धों को हिन्दी माध्यम में लिखने के इच्छुक हैं। उन्हें जहां कहीं मार्ग-दर्शन अनुसंधान के लिये विशेषज्ञता उपलब्ध होती है, ऐसा करने के लिये प्रोत्साहित किया जाता है। अब तक, विश्वविद्यालय के डिग्री पार्चमेंट अंग्रेजी में ही मुद्रित किये जा रहे थे, परन्तु अब से आगे सभी पार्चमेंटों में अंग्रेजी और हिन्दी, दोनों में विश्वविद्यालय का नाम जोड़ने का निर्णय किया गया है, जिनमें डाक्टरील डिग्रियां भी शामिल हैं।

(ख) जी, हां।

(ग) (i) राजभाषा अधिनियम 1963 की धारा (3)3 को यथासंभव कार्यान्वित किया जा रहा है।

(ii) और (iii). जी हां।

(iv) जे एन०यू न्यूज को केवल अंग्रेजी में ही प्रकाशित किया जा रहा है।

हिन्दी सलाहकार समिति

3430. **श्री जगदम्बी प्रसाद यादव :** क्या मानव संसाधन विकास मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) उनके मंत्रालय के अधीन कितने विभाग हैं; क्या प्रत्येक विभाग में पृथक-पृथक हिन्दी सलाहकार समिति गठित की गई है और यदि नहीं, तो उसके क्या कारण हैं ;

(ख) प्रत्येक सलाहकार समिति की वर्ष में कितनी बैठकें हुई और इन बैठकों में पूछे गये प्रश्नों की विभागवार संख्या कितनी है ;

(ग) वार्षिक प्रगति कार्यक्रम को किसी भी वर्ष में कार्यान्वित न किये जाने के क्या कारण हैं, यद्यपि यह कार्यक्रम को आरम्भ हुए 18 वर्ष हो चुके हैं और क्या इस कार्यक्रम को इस वर्ष कार्यान्वित किये जाने की संभावना है ; और